

NO 15/2024

दिनांक- 22/08/2024

जिला गंगापुर

पीठासीन अधिकारी:- सुनीता मीना आर.ए.एस
उनवान

1. सुगन पुत्र तेजराम जाति प्रजापत निवास चूरपुरा तहसील टोडाभीम जिला गंगापुर सिटी।

(सायल)

बनाम

1. मंतोष पुत्र तेजराम
 2. रोशन पुत्र तेजराम
- समस्त जाति प्रजापत निवासी चूरपुरा तहसील टोडाभीम जिला गंगापुर सिटी।
1. तहसीलदार टोडाभीम जिला गंगापुर सिटी।
 2. उप पंजीयक टोडाभीम, जिला गंगापुर सिटी।

(गैरसायलान)

प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा

उपस्थिति:- श्री देवेन्द्र कुमार शर्मा एडवोकेट सायल

श्री सुनील कुमार जिन्दल एडवोकेट गैरसायल न0 1 व 2

निर्णय

दिनांक 22.08.2024

वादीगण द्वारा प्रस्तुत वादपत्र का संक्षेप मे विवरण इस प्रकार है कि ग्राम चूरपुरा नाराजी ख0न0 10/0.15, 12/0.20, 187/0.09, 236/0.38, 238/0.49, 239/0.43, 240/0.18, 241/0.23, 247/0.03, 248/0.03, 252/0.62, 253/0.21, 254/0.21, कुल किता 13 कुल रकवा 3.25 है0 सायल बहिस्सा 1/15 का खातेदार काश्तकार है तथा शेष हिस्से के अन्य सहखातेदारान गैरसायलान व मूल दावे के प्रतिवादीगण हिस्सेदार खातेदार है। ख0न0 11/0.28, 27/0.08, 28/0.03, 28/0.21, 281/0.33, 30/0.15, 32/0.25, 33/0.30, 34/0.25, 35/0.21, 42/0.02, 43/0.10, 44/0.04, 7/0.13, 788/17/0.04, 8/0.30, 9/0.25 कुल किता 17 कुल रकवा 2.97 है0 मे सायलान व मूल दावे के प्रतिवादीगण गैरसायलान व मूल दावे के प्रतिवादीगण द्वारा खातेदार है। सायल व मूल दावे के प्रतिवादीगण को अपने बुजुर्गान से विरासत मे प्राप्त मूमि है, जिन्होने वर्षो पूर्व बाहमी बटवारा कर अलग रकवा बनाकर डौल मेड कर काबिज होकर करते चले आ रहे है। वर्णित आराजीयात सायल व गैरसायलान तथा मूल दावे के प्रतिवादीगण की संयुक्त खातेदारी की आराजीयात है तथा बाहमी बटवारे मे सायल को ख0न0 253 प्राप्त हुये है, इसलिये आये दिन गैरसायलान सायल मे विवाद बना रहता है तथा आपस मे रहता है इसलिये आराजीयात का कानूनन बटवारा करवाना आवश्यक हो गया है।

बॉका दिनांक 01.04.2024 को सायल अपने बाहमी बटवारे मे आये ख0न0 253, 254 की फसल की देखभाल कर रहा था कि अचानक गैरसायलान मंतोष व रोशन आ गये और लगे कि हमने रामसहाय से जमीन खरीद ली है तथा हम इन खसरा नम्बरान मे आधा हिस्सा लेते की तरफ है पर बाउन्ड्रीवाल करेगे तथा तुमको पीछे का हिस्सा छोडेगे तो सायल ने कहा ईयो मेरा रास्ता ही बन्द हो जावेगा पहले से ही इस खेत के रास्ते की तरफ आधे आधे भाग खे है। आप ऐसा मत करो और मे और तुम तहसील मे चलकर बटवारा करा लेते है। उसका नाम मकान बनवा लेना तो वो नाराज हो गये और कहा कि हम कोई बटवारा नही करायेगे। मुख्ता निर्माण कर कब्जा करेगे इस प्रकार यदि गैरसायलान अपनी गैरकानूनी कुचेष्टा मे

(सुनीता मीना)

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी एवं पदेन सहायक कलक्टर
टोडाभीम, जिला-गंगापुर सिटी

मयाब हो गये तो सायलान को भारी अपूर्तनीय क्षति होगी, इसलिये यह प्रार्थना पत्र पेश करना शक्य हुआ है।

सायलान का प्राईमाफेसी केस बखूबी साबित है तथा सुविधा का संतुलन एवं अपूर्तनीय का सिद्धान्त भी सायलान के पक्ष में है। अस्थाई निषेधाज्ञा जारी होने से गैरसायल को कोई भी प्रकार की क्षति नहीं है। जबकि अस्थायी निषेधाज्ञा जारी नहीं होने से सायलान को अपूर्तनीय हो जावेगी जिसकी पूर्ति किसी प्रकार से संभव नहीं है।

अतः प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा सायलान बखिलाफ गैरसायलान बावत अस्थाई निषेधाज्ञा स्वीकार फरमाया जाकर गैरसायल को जरिये अस्थाई निषेधाज्ञा इस आशय से पाबन्द करा जावे कि ग्राम चूरपुरा की आराजी ख0न0 253, 254 से बेदखल नहीं करे नाही किसी अन्य से। सायलान की भूमि पर कब्जा नहीं करे एवं शांतिपूर्वक काश्त करने देवे, मौके पर किसी प्रकार का निर्माण नहीं करे तथा रिकार्ड व मौके की यथास्थिति बनाये रखे।

प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर कर गैरसायलान को जरिये नोटिस तलब किया गया। सायलान न0 3 व 4 उपरिथत, गैरसायल न0 1 व 2 ने जरिये वकालतन जबाब पेश किया कि ल ने प्रार्थना पत्र के मद न0 2 में तेजराम हिस्सा 1/27 का, गैरसायल न0 13 मंतोष हिस्सा न0 10, गैरसायल न0 17 रत्तीराम हिस्सा 1/27, गैरसायल न0 21 रोशन हिस्सा 1/30, का सायल न0 24 विश्रामलाल हिस्सा 1/27 का गैरसायल न0 27 हरेतीराम हिस्सा 1/27 के दादा स्वीकार है। मद न0 3 में वर्णित आराजी में तेजराम हिस्सा 1/27 का, गैरसायल न0 27 राम हिस्सा 1/27, गैरसायल न0 24 विश्रामलाल हिस्सा 1/27 का, गैरसायल न0 17 रत्तीराम का हिस्सा 1/27 के रिकार्डेड खातेदार है जिसमें सायल का कोई संबंध किसी प्रकार से नहीं है। गैरसायलान की संयुक्त खातेदारी होना स्वीकार है, सायल का ख0न0 253, 254 पर कब्जा है, नाही सायल के हिस्से में उक्त भूमि आई है, बल्कि ख0न0 253, 254 गैरसायलान न0 13 व 14 मौके पर कब्जा नहीं है, जिसकी तारबन्दी कर रखी है इस प्रकार सायल का प्राईमाफेसी साबित नहीं है नाही सुविधा का संतुलन सायल के पक्ष में साबित है। बल्कि उक्त तीनों बिन्दु सायल न0 1 व 2 के पक्ष में साबित है। अतः जबाब प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा पेश करने हैं कि सायल का प्रार्थना पत्र खारिज फरमाया जावे।

सायलान वकील की बहस सुनी गई। सायलान वकील ने प्रार्थना पत्र में वर्णित तथ्यों को रोहरान करते हुये कथन किया कि अतः प्रार्थना पत्र स्वीकार कर गैरसायल न0 1 को पाबन्द करा जावे कि वह सायलान के हिस्से की भूमि से बेदखल नहीं करे नाही किसी अन्य से करावे। सायलान की भूमि पर कब्जा नहीं करे एवं शांतिपूर्वक काश्त करने देवे, मौके पर किसी प्रकार का निर्माण नहीं करे तथा रिकार्ड व मौके की यथास्थिति बनाये रखे।

विद्वान वकीलो की बहस पर गहनता से मनन किया गया। पत्रावली का अवलोकन किया प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा को निर्णित करने के लिए विचारणीय न्यायालय को तीन बिन्दुओं पर ध्यान दिया जाना होता है।

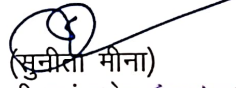
1. प्रथम दृष्टया प्रकरण:- प्रार्थना पत्र में वर्णित आराजी पत्रावली में शामिल ग्राम चूरपुरा की जमाबन्दी सम्वत् 2074-77 के ख0न0 253/0.21, 254/0.21 में सायल 1/15 हिस्से का, गैरसायल न0 1 हिस्सा 1/30, गैरसायल न0 2 हिस्सा 1/30 हिस्से के खातेदार काश्तकार दर्ज रिकार्ड है। बकिया हिस्से के मूल दावे के प्रतिवादीगण तथा अन्य सहखातेदारान दर्ज रिकार्ड सायल द्वारा दो खसरा नम्बरान बाहमी बटवारे में मेरे हिस्से में आये हैं, लेकिन सायलान ने उक्त दोनों खसरा नम्बरान में कब्जे के संबंध में कोई दस्तावेज पेश नहीं किया है। इन खसरा नम्बरान में मुताबिक रिकार्ड गैरसायलान भी खातेदार काश्तकार दर्ज रिकार्ड है। सायल द्वारा प्रार्थना पत्र के साथ मूल वाद बटवारे का पेश किया है जिसमें तय होना है कि सायल व गैरसायलान के हिस्से में कौन-कौन से खसरा नम्बरान आये हैं। गैरसायलान वर्णित आराजीयात में खातेदार

(सुगन बनाम)

- होने से प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा प्रथम दृष्टया प्रकरण सायलान व गैरसायलान के पक्ष में साबित है।
2. सुविधा का संतुलन:- पत्रावली में शामिल दस्तावेजात के आधार पर प्रथम दृष्टया प्रकरण सायल व गैरसायलान के पक्ष में साबित होने से सुविधा का संतुलन सायलान के पक्ष में साबित है।
 3. अपूर्तनीय क्षति:- प्रार्थना पत्र में वर्णित आराजीयात में यदि गैरसायलान को पाबन्द किया जाता है तो सायलान को अपूर्तनीय क्षति होने की पूर्ण संभावना है। उक्त तीनों बिन्दुओं के विवेचन से सायल का प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा स्वीकार योग्य होने से स्वीकार किया जाता है।

अतः उभयपक्ष को ता दावा फैसला पाबन्द किया जाता है कि ग्राम चूरपुरा की आराजी नं० 10/0.15, 12/0.20, 187/0.09, 236/0.38, 238/0.49, 239/0.43, 240/0.18, 243/0.23, 247/0.03, 248/0.03, 252/0.62, 253/0.21, 254/0.21, कुल कित्ता 13 कुल रकवा 3.25 है०, 11/0.28, 0.08, 277/0.03, 28/0.21, 281/0.33, 30/0.15, 32/0.25, 33/0.30, 34/0.25, 35/0.21, 42/0.02, 0.10, 44/0.04, 7/0.13, 788/17/0.04, 8/0.30, 9/0.25 कुल कित्ता 17 कुल रकवा 2.97 है० में पूर्ण कार्य नहीं करे तथा मौके की यथास्थिति बनाये रखे।

निर्णय आज दिनांक 22.08.2024 को खुले न्यायालय में लिखाया जाकर सुनाया गया।



(सुनीता मीना)
उपखण्ड अधिकारी एवं प्रद्वेन सहायक कलक्टर
दोडाभीम जिला-गंगापुर सिटी
दोडाभीम, जिला-गंगापुर सिटी